Bishi (Odisha), Shrimati Mahua Maji (Jharkhand), Shri Devendra Pratap Singh (Chhattisgarh), Shri Brij Lal (Uttar Pradesh) and Dr. Kalpana Saini (Uttarakhand).

Thank you, Naresh Bansal*ji*. Now, Shri Debashish Samantaray on 'Demand to provide strategic support to IT companies for the growth of IT Sector in Odisha'.

Demand to provide strategic support to IT companies for the growth of IT Sector in Odisha

SHRI DEBASHISH SAMANTARAY (Odisha): Sir, I will start with the IT journey in Odisha. Twenty years back, the NIC was brought to Odisha by the then Chief Minister, hon. Sri Naveen Patnaik, my leader. And, from there, the journey started. Infrastructure to bring in IT companies was laid out, a master plan was made. Due to that master plan, I am proud to say, Bhubaneswar became the number one smart city of our country. As we start this journey, Odisha is emerging as the new IT hub of India. With a huge talent pool, favourable and hassle-free business environment and political stability, Odisha is well poised to be the sought after IT destination in the country. This political stability was, of course, due to Naveen Babu's 24 years of governance. This was the effort by the then Chief Minister where a personal initiative was taken to go to all the top IT companies in Bombay, in Bangalore and Hyderabad. We got TCS; we got two campuses of Infosys, Wipro and Tech Mahindra. Now, as the hon. Minister of IT is from Odisha, who has been a bureaucrat also in our State, so he understands. He was the Collector in Cuttack. I urge, and I request through you, Sir, that Odisha needs a strategic support not only to become the hub of Eastern India in IT, but also the hub of IT in the whole of India. If you see our talent pool from Odisha, there are lakhs in numbers in Bangalore, Hyderabad, Pune, Bombay and Kolkata. So, we have the natural talent pool in our State. Therefore, lastly, I again humbly request our Minister to give priority to support IT in Odisha. Thank you, Sir.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by the hon. Member, Shri Debashish Samantaray: Dr. Sasmit Patra (Odisha), Shri Niranjan Bishi (Odisha), Shri Muzibulla Khan (Odisha), Shri Sujeet Kumar (Odisha), Shri Saket Gokhale (West Bengal), Ms. Sushmita Dev (West Bengal), Dr. Kanimozhi NVN Somu (Tamil Nadu), Shri Jawhar Sircar (West Bengal), Shrimati Sulata Deo (Odisha), Shri M. Mohamed Abdulla (Tamil Nadu) and Shrimati Mahua Maji (Jharkhand).

The next speaker is Shri Baburam Nishad; demand to construct a dam on Betwa River in Hamirpur district of Uttar Prades; not present. The next speaker is Shri

Satnam Singh Sandhu; demand to ensure the conservation of Wetlands in Punjab for preserving the overall ecosystem for migratory birds.

Demand to ensure the conservation of Wetlands in Punjab for preserving the overall ecosystem for migratory birds

श्री सतनाम सिंह संधू (नामनिर्देशित): धन्यवाद, उपसभापति महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया। महोदय, कुदरत ने हमारे देश भारत को बहुत सारी सौगातें दी हैं और बहुत सारी कुदरती सौगातों के साथ हमें नवाजा है। हमारे पास सबसे अच्छे पर्वत हैं, नदियां हैं, जंगल हैं, हमारा क्लाइमेट, हमारा टेम्परेचर, हर चीज बहुत ही conducive है और इसीलिए जो पूरी दुनिया से international migratory birds भारत में प्रजनन के लिए आते हैं, खाने के लिए आते हैं और वे लंबा समय भारत में व्यतीत करते हैं। सर, जिस तरीके से हमने कुदरत के खिलाफ एक जंग छेड़ रखी है, तो मुझे लगता है कि हम अपना ही नुकसान कर रहे हैं, अपने भविष्य का ही नुकसान कर रहे हैं और हम एक तबाही की तरफ बढ़ रहे हैं। मैं आज international migratory birds के बारे में बात करना चाहूंगा। जो हर साल करोड़ों की तादाद में भारत में आते हैं और पंजाब में आने वाले माइग्रेटरी बड्र्स की संख्या कम होने लगी है। उसकी वजह यह है कि हमारे पास पंजाब में 7 वैटलैंड्स हैं, जिसमें से पांच को रामसर साइट्स का दर्जा दिया गया है, वे प्रोटेक्टिड वैटलैंड्स हैं, लेकिन बाकी में यह प्रोटेक्शन नहीं है, जिसका कारण पंजाब का पानी है, जो बहुत बड़ी समस्या है, क्योंकि पंजाब की नदियों का पानी पॉल्यूट हो चुका है। हमारी सतलुज नदी का एक बुड्ढा नाला पॉल्यूशन का कहर बरसा रहा है। वह मौत का सौदागर बन गया है और लुधियाना के बुड्ढा नाला में डाइंग इंडस्ट्री का और डेयरी का पॉल्यूशन सीधे ही नदी में जा रहा है और वह पूरे पंजाब से होता हुआ हरियाणा और राजस्थान की तरफ भी बढ़ रहा है। इसका सबसे बड़ा इम्पैक्ट इंसानों पर तो पड़ रहा है, लेकिन हमारे यहां जो इंटरनेशनल बड्र्स आ रहे हैं, उनकी आने की गिनती बहुत कम हो रही है।

मैं सरकार को निवेदन करना चाहूंगा कि इस पर संज्ञान लिया जाए। मैं आदरणीय प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का धन्यवाद भी करना चाहूंगा, जिन्होंने आजादी के 75वें अमृत उत्सव पर हर डिस्ट्रिक्ट में 75 अमृत सरोवर बनाने का देश को बहुत बड़ा तोहफा दिया, जिसकी वजह से हर डिस्ट्रिक्ट में, जो हमारे 75 पॉन्ड्स हैं, वे बनाए जा रहे हैं, अमृत सरोवर बनाए जा रहे हैं और उसकी वजह भी बहुत बड़ी है, जिसकी वजह से हमारे यहां पर जो बड्र्स आ रहे हैं, उनको प्रोटेक्शन मिलेगी, उनको यहां पर खाना मिलेगा, उनको यहां पर प्रजनन के लिए समय मिलेगा। मैं सरकार से यह भी निवेदन करूंगा कि गांव के पॉन्ड्स को, जो हमारे गांव के छप्पड़ हैं, उनको बचाने के लिए प्रयास किये जाएं, क्योंकि कंस्ट्रक्शन करके वहां पर कब्जा किया जा रहा है।...(**समय की घंटी**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by the hon. Member, Shri Satnam Singh Sandhu: Dr. Sasmit Patra (Odisha), Shri Niranjan Bishi (Odisha), Dr. Fauzia Khan (Maharashtra), Shri M.